संक्षिप्त समाचार

नंद घर आंदोलन से जुड़े मनोज बाजपेयी

मुंबई, एजेंसी। देश भर में 14 लाख आंगनवाड़ियों में आमूल बदलाव लाने से उद्देश्य से नंद घर ने अभिनेता मनोज बाजपेयी के साथ एक राष्ट्रीय आंदोलन ङ्क अगर बचपन से पूछा खाना खाया, तो देश का कल बनाया- का अनावरण किया। नंद घर के इस आंदोलन का उद्देश्य है, समग्र स्वास्थ्य देखभाल, गुणवत्तापूर्ण पोषण और बच्चों के लिए सर्वोत्तम प्री-स्कूल शिक्षा सुनिश्चित कर भारत की भावी पीढ़ी का पोषण करना। मनोज बाजपेयी का इस आंदोलन में शामिल होने के लिए स्वागत करते हुए, वेदांता के अध्यक्ष, श्री अनिल अग्रवाल ने कहा, प्रोजेक्ट नंद घर एक राष्ट्रीय आंदोलन है, जो स्वास्थ्य और पोषण पर ध्यान देने के साथ बच्चों और महिलाओं के समग्र कल्याण का समर्थन करता है। हमें खुशी है कि मनोज बाजपेयी जी ने इस विस्तृत होते आंदोलन को अपना समर्थन दिया है। उनकी निजी जीवन की कहानी हमारी भावी पीढ़ियों के जीवन को पोषित करने और बदलने के नंद घर के उद्देश्य से गहराई से मेल खाती है। आज इस दिल छू लेने वाले अभियान के लॉन्च में, मनोज बाजपेयी को एक युवा थिएटर अभिनेता के रूप में अपनी व्यक्तिगत यात्रा के बारे में बताते हुए देखा गया और उन्होंने अभिनय के सपने को पूरा करने के दौरान अपने लिए नियमित पौष्टिक भोजन सुनिश्चित करने में दोस्तों के अमूल्य योगदान को रेखांकित किया। बाजपेयी ने एक कलाकार के संघर्ष का मार्मिक वर्णन किया है, यह स्वीकार करते हुए कि किसी के सपनों को आगे बढ़ाने की ताकत भरे पेट और पौष्टिक भोजन से आती है। नंद घर के साथ अपने जुड़ाव से उत्साहित, श्री मनोज बाजपेयी ने कहा, एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जो भूख की पीड़ा से गुजरा है, मैं समझता हूं कि इसका शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक कल्याण पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है। इसीलिए प्रोजेक्ट नंद घर जैसी पहल बहुत महत्वपूर्ण हैं। यह न केवल यह सुनिश्चित करती है कि बच्चों को उचित पोषण मिले बल्कि एक उज्जवल भविष्य के लिए आशा, अवसर और अवसर भी मिले। आइए हम सभी नंद घर आंदोलन के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करें कि हम बच्चों की क्षमता का पोषण करें और साथ मिलकर एक उज्जवल भारत की तैयारी करें।

दिल्ली में कांग्रेस को एक और झटका, ओम प्रकाश बिधूड़ी ने छोड़ी पार्टी

नईदिल्ली, एजेंसी। लोकसभा चुनाव से पहले दिल्ली कांग्रेस को गुरुवार को उस वक्त एक और झटका लगा जब पार्टी के नेता ओमप्रकाश बिधूड़ी ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। अपने इस्तीफे की वजह उन्होंने आम आदमी पार्टी के साथ हुए पार्टी के गठबंधन को बताया। बिधूड़ी ने दावा करते हुए कहा कि कांग्रेस के हजारों कार्यकर्ता दिल्ली में आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन करने के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा, मैंने कई कारणों से इस्तीफा दिया है, लेकिन मुख्य कारण दिल्ली में आप के साथ कांग्रेस का गठबंधन है। मैंने अपना इस्तीफा देकर अपनी भावनाएं व्यक्त की हैं। हजारों कार्यकर्ता गठबंधन से खुश नहीं हैं। बिधूड़ी ने कहा, आप कांग्रेस को कोसकर सत्ता में आई। जब अरविंदर सिंह लवली अध्यक्ष थे तो हम सभी ने अपनी भावनाएं व्यक्त की थीं, लेकिन किसी ने हमारी बात नहीं सुन

श्मशान घाट लाशों से भरे पड़े थे और भाजपा भ्रष्टाचार के खेल में डूबी थी, आप का आरोप

नईदिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी नेता और सांसद संजय सिंह ने कोरोना महामारी के दौरान लोगों को कोविशील्ड वैक्सीन लगाने को लेकर गुरुवार को भाजपा और केंद्र सरकार पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने सरकार पर जानबूझकर लोगों की जान से खिलवाड़ करने और वैक्सीन खरीदी में बड़ा भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने वैक्सीन बनाने वाली कंपनी से इलेक्टोरल बॉण्ड के जरिए 52 करोड़ रुपए की रिश्वत ली। सांसद ने कहा कि भाजपा को मौत के बदले भी भ्रष्टाचार मंजूर है।

संजय सिंह ने दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, भाजपा और उसकी केंद्र सरकार को देश की जनता से कोई लेनादेना नहीं है। कोरोना महामारी के वक्त जब पूरा देश पीड़ित था। लाखों लोगों ने अपनी जान गंवाई। श्मशान में अंतिम संस्कार के लिए जगह नहीं थी, लोग अपने घरवालों के शवों को जलाए बगैर उनको छोड़कर जा रहे थे। भारतीय जनता पार्टी भ्रष्टाचार के खेल में डुबी हुई थी।

दूसरे देशों में बैन हुई, हमारे यहां करोड़ों का ऑर्डर दिया: आप नेता ने आगे कहा, केंद्र सरकार ने कोविशील्ड नामक एक कंपनी को वैक्सीन का ठेका दिया। जनवरी 2021 में यह ठेका दिया गया और कंपनी से 1 करोड़ 10 लाख डोज मांगी गई। इसका दाम 150 रुपए रखा गया। इसके बाद जब यह

वैक्सीन बाजार में आई, तो दुनिया के कई हिस्सों में हाहाकार मच गया। क्योंकि इस वैक्सीन को लगाने से वहां दुष्प्रभाव सामने आए, लोगों के लिए मुश्किलें बढ़ गईं। जिसके बाद मार्च 2021 में दुनिया के कई देशों ने इस पर वैक्सीन पर बैन लगा दिया। इस दौरान जर्मनी, इटली, फ्रांस, स्पेन, नीदरलैंड्स, आयरलैंड्स, डेनमार्क, नॉर्वे, आइसलैंड और ऑस्ट्रिया जैसे देशों ने कोविशील्ड वैक्सीन को बैन कर दिया। मार्च 2021 में जब दुनिया के तमाम देश इस वैक्सीन पर बैन लगा रहे थे तब हमारे देश के प्रधानमंत्री और भारत सरकार ने फिर से इसी कंपनी को 10 करोड़ डोज का ठेका दे दिया। संजय सिंह ने आरोप लगाते हुए कहा कि वैक्सीन का दाम पहले 150 रुपए था, फिर दाम बढ़ाया गया और रिश्वत ली गई। वैक्सीन का दाम 600 रुपए कर दिया गया और बदले में 52 करोड़ रुपए का चुनावी चंदा लिया गया। जब ब्रिटेन में कोविशील्ड बनाने वाली कंपनी पर केस हुआ, तो 1,000 करोड़ हर्जाने का मुक़दमा किया गया, तब पता चला कि इसके दुष्प्रभाव के कारण लोगों की जानें जा रही हैं। इस वैक्सीन पर बैन लगाने वाले देशों को इस वैक्सीन के दुष्प्रभाव के बारे में मार्च 2021 में ही पता चल गया था। लेकिन नरेंद्र मोदी ने मार्च 2021 में ही इस वैक्सीन की 10 करोड़ डोज का ऑर्डर दिया। इन्होंने धन्यवाद मोदी जी के पोस्टर लगाने पर 6,000 करोड़ रुपए खर्च किए। कम्पनी पर जिम्मेदारी तय होना चाहिए

आप सांसद ने वैक्सीन से हो रही मौतों की जिम्मेदारी तय करने की बात कहते हुए कहा, जिन लोगों की जान गई है, उनके परिवार की मदद के लिए क्यों इस वैक्सीन को बनाने वाली कम्पनी की जिम्मेदारी तय की गई। क्योंकि गंदा है पर धंधा है ये, बीजेपी का चंदा है ये। भाजपा ने इस कम्पनी से रिश्वत खाई है। आगे संजय सिंह ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री से मांग करता हूं कि वे इस जानलेवा वैक्सीन को लगवाने के लिए देश की जनता से हाथ जोड़कर माफी मांगे। 150 रुपए की वैक्सीन का दाम 600 रुपए करने के लिए जनता से माफी मांगे।

स्वास्थ्य–कैसे नापे शरीर का तापमान

डॉ. अविनाश बंसल- विनायक फीचर्स

शरीर की गर्मी थर्मामीटर से तापमान लेकर नापी जाती है। तापमान में बढ़ोतरी, जिसे बुखार कहा जाता है, संक्रमण की निशानी हो सकती है।

अमरीका में शरीर का तापमान नापने के लिए साधारण रूप से उपयोग किया जाने वाला नाप डिग्री फेरेनहाइट (स्न) है। अन्य देश डिग्री सेंटिग्रेड (ष्ट) का उपयोग करते हैं। तापमान या तो थर्मामीटर का उपयोग मौखिक रूप से उसे मुंह में रखकर या कक्षिक रूप से उसे बगल में रखकर किया जाता है। उस स्थिति में शिशु का तापमान बगल में से ही लें, जब चिकित्सक ने कुछ और सलाह न दी हो। अपने स्थानीय ग्रोसरी या दवाई की दुकान से डिजिटल थर्मामीटर खरीदिये।

डिजिटल थर्मामीटर का उपयोग कर शरीर का तापमान नापना ः मौखिक या मुंह का तापमान- तापमान मापने के 15 मिनट पहले मुंह में कुछ भी गरम या ठंडा न डालें। इससे पाठ्यांक (टेम्परेचर) पर असर पड़ सकता है। 1. थर्मामीटर को उसके डिब्बे से बाहर निकालिए। 2. थर्मामीटर को साबुन और पानी से रगडने् के हाद अल्कोहल से साफ कीजिए। 3. थर्मामीटर को चालू कीजिए और यदि उपलब्ध हो तो उपयोग करके फेंक दिया जा सके, ऐसे कवर से इसे ढंक दीजिए। इस बात की जांच कर लें कि उसकी स्क्रीन पर पहले के पाठ्यांक तो नहीं दिख रहे हैं। 4. थर्मामीटर की नोंक जीभ के नीचे मुंह के पीछे के हिस्से में रखिए। 5. होंठ धीरे से थर्मामीटर के आसपास बंद कीजिए। काटिए नहीं। उसको ठीक से रखने के लिए हाथ से पकडने् की जरूरत पड़ सकती है। 6. थर्मामीटर से बीप की आवाज आने तक उसे वहीं पर रखें। 7. थर्मामीटर निकाल लें। 8. विन्डो में दिख रहे अंक पढिये। ये अंक तापमान हैं। मुंह से शरीर का सामान्य तापमान 98.6 डिग्री होता है। 9. यदि इसका रिकॉर्ड रखना है, तो तापमान लिख लीजिए। 10. उपयोग के बाद फैंक दिया जाने वाला कवर निकालकर कूड़ेदान में फैंक दीजिए। 11. थर्मामीटर को साबुन और पानी से रगडने् के बाद अल्कोहल से साफ कीजिए। 12. थर्मामीटर को उसके डिब्बे में वापस रख दीजिए।

कक्षिक या बगल के नीचे तापमान- कक्षिक तापमान जांचने के लिए कसरत करने या नहाने के बाद 15 मिनट इंतजार कीजिए। इससे पाठ्यांक पर असर पड़ सकता है। 1. थर्मामीटर को उसके डिब्बे से बाहर निकालिए। 2. थर्मामीटर को साबुन और पानी से रगडने् के बाद अल्कोहल से साफ कीजिए। 3. थर्मामीटर को चालू कीजिए और यदि उपलब्ध हो तो उपयोग करके फैंक दिया जा सके ऐसे कवर से इसे ढंक दीजिए। इस बात की जांच कर लें कि उसकी स्क्रीन पर पहले के पाठ्यांक तो नहीं दिख रहे हैं। 4. बगल को टिश्यू या किसी कपड़े से थपथपाकर सुखाइये। सुखाने के समय घिसें नहीं, क्योंकि घिसने से त्वचा गरम हो सकती है। 5. ढंकी हुई नोक को बाजू के नीचे रखकर बाजू को शरीर पर तिरछा टिकाइए। 6. थर्मामीटर से बीप की आवाज आने तक वहीं पर रखें। 7. थर्मामीटर हटा लें। 8. विन्डो में दिख रहे अंक पढ़िए। ये अंक तापमान हैं। बाजू के नीचे शरीर का सामान्य तापमान 97.5 डिग्री फे. है। 9. यदि इसका रिकॉर्ड रखना है, तो तापमान लिख लीजिए। 10. उपयोग के बाद फैंक दिया जाने वाला कवर निकालकर कूड़ेदान में फैंक दीजिए। 11. थर्मामीटर को साबुन और पानी से रगडने् के बाद अल्कोहल से साफ कीजिए। 12. थर्मामीटर को उसके डिब्बे में वापिस रख लीजिए। (विनायक फीचर्स)

दिल्ली में होगा कूल-कूल मौसम; दो दिन चलेंगी हवाएं, फिर बारिश के आसार

नईदिल्ली, एजेंसी। देश के कई हिस्सों में एक ओर लू जैसे हालात हैं, वहीं हिमालय से आ रही ठंडी हवाओं के चलते दिल्ली को झुलसाने वाली गर्मी से फिलहाल राहत है। गुरुवार को अधिकतम तापमान सामान्य से चार और न्यूनतम पांच डिग्री कम दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने शुक्रवार को हवाएं चलने और शनिवार को हल्की बारिश के आसार जताए हैं।

दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में गुरुवार सुबह तेज धूप निकली। हालांकि, इस दौरान 25 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने के कारण लोगों को गर्मी से राहत रही। यह हवा उच्च हिमालयी क्षेत्रों की ओर से आ रही है, जहां अच्छी बर्फबारी और बारिश होने से हवा में ठंडक बनी हुई है। इससे दिल्ली के तापमान में भी गिरावट देखने को मिल रही है। सफदरजंग मौसम केंद्र में दिन का अधिकतम तापमान 35.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, न्यूनतम पारा 19.3 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग का अनुमान है कि तेज हवा का यह क्रम शुक्रवार को भी बना रहेगा। दिन के समय 35 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली हवा चल सकती हैं। अधिकतम तापमान 38 और न्यूनतम तापमान 20 डिग्री तक रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को एक बार फिर मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। धूल भरी आंधी के साथ दिल्ली में कहीं-कहीं बूंदाबांदी हो सकती है। इस दौरान हवा की गति 45 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रहने का अंदेशा है।

मुसलमानों के खिलाफ नहीं है भाजपा, इस्लामिक देशों ने भी दिया मोदी को सम्मान; राजनाथ सिंह की अपील

सुपौल, एजेंसी। रक्षा मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व अध्यक्ष राजनाथ सिंह ने विपक्ष के भाजपा पर हिंदू-मुस्लिम के बीच विभाजन पैदा करने के आरोप को खारिज करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि कई इस्लामी देशों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सम्मानित किया है। बिहार के सुपौल और सारण लोकसभा क्षेत्रों में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए पूर्व भाजपा अध्यक्ष ने अल्पसंख्यक समुदाय को कांग्रेस और उसके सहयोगी राजद से सावधान रहने का आग्रह करने के साथ विपक्षी दलों पर उन्हें धोखा देकर वोट मांगने का आरोप लगाया। सिंह ने कहा, ''जहां तक भाजपा और राजग का प्रश्न है, तो हम लोग जात-पात, पंथ और मजहब के आधार पर राजनीति नहीं करते हैं। हम इंसाफ और इंसानियत के आधार पर राजनीति करते हैं।'' उन्होंने कहा कि संविधान के अनुसार धार्मिक आधार पर मुसलमानों के लिए आरक्षण संभव नहीं है।

उन्होंने कहा, ''पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण की सुविधा है तथा मुस्लिम समाज में जो बहुत पिछड़े और गरीब हैं, वे इसमें शामिल हैं। आप कहते हैं कि हम धर्म के आधार पर आरक्षण देंगे। क्यों उनकी आंखों में धूल झुक रहे हैं। भारत का संविधान इस बात की इजाजत देता ही नहीं है कि धर्म के आधार पर आरक्षण दिया जाए। मैं मुसलमान भाइयों से कहना चाहता हूं कि आप लोग इनके बहकावे नहीं आए।'' कांग्रेस सहित

विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए सिंह ने कहा, ''ये हमपर हिंदू-मुसलमान करने का आरोप लगाते हैं जबकि अरब जगत के पांच देशों ने अपने सबसे बड़े सम्मान से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को नवाजा है।''

उन्होंने कहा, ''मैं मुसलमान भाइयों से भी कहना चाहता हूं... हां हमने एक काम किया है, तीन तलाक की प्रथा को समाप्त किया है। हम किसी को धोखा नहीं देना चाहते हैं और डंके की चोट पर कहते हैं कि हां हमने किया है क्योंकि हम समाज को बांट कर राजनीति नहीं करना चाहते।'' सिंह ने कहा, ''चाहे मुसलमान हो, हिंदू हो, ईसाई हो या यहूदी हो, सबकी मां-बहन, बेटी हम लोग की मां-बहन, बेटी हैं । हम लोग ऐसा नजरिया रखते हैं। हम किसी भी धर्म के लोगों को इस बात की इजाजत नहीं दे सकते कि आप किसी की बेटी से शादी कीजिए और 10 दिन के बाद तलाक-तलाक-तलाक बोल कर उनकी छुट्टी कर दीजिए। हम अपने मुसलमान भाइयों से भी कहना चाहते हैं कि आप इस पर विचार कीजिए। बहुत सारे मुसलमान भाई इसका समर्थन कर रहे हैं।'' उन्होंने यह भी दावा किया कि राजग लोकसभा में 400 से अधिक सीट के अपने लक्ष्य को हासिल करने की ओर अग्रसर है ।

सिंह ने कहा, ''सूरत ने भाजपा के विजय का श्री गणेश हो चुका है।'' उनका इशारा भाजपा उम्मीदवार मुकेश दलाल के निर्विरोध निर्वाचित होने की ओर था, क्योंकि अधिकतर उम्मीदवार चुनाव मैदान से हट गए थे और बाकी के नामांकन पत्र जांच के दौरान खारिज कर दिए गए थे। सिंह ने कहा, ''इंदौर में, कांग्रेस उम्मीदवार ने अपना नामांकन वापस लेकर भाजपा का समर्थन किया है।'' उन्होंने कहा, ''सारे देश का जो माहौल दिख रहा है, उससे हमें लगता है कि हमलोगों ने जो 400 पार का लक्ष्य निर्धारित किया है, उसे प्राप्त करने में हम पूरी तरह से कामयाब होंगे। मेरा पक्का विश्वास है।''

सिंह ने कहा, ''अब विपक्ष चिल्ला रहा है कि इससे लोकतंत्र ख़तरे में पड़ जाएगा। आपको बता दें कि आजादी के बाद से अब तक कम से कम 28 लोग निर्विरोध चुने गए हैं। उनमें से 20 कांग्रेस के थे और दो उसकी सहयोगी समाजवादी पार्टी के थे।'' उन्होंने यह भी कहा कि अगले दस वर्षों में कांग्रेस ''डायनासोर की तरह'' विलुप्त हो जाएगी।

अमेरिकी विश्वविद्यालयों में प्रदर्शनों से मस्क ने जताई नाराजगी, एडवर्ड स्नोडेन ने दिया करारा जवाब

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में हो रहे फलस्तीन समर्थित विरोध प्रदर्शनों के मुद्दे पर एलन मस्क ने एक ऐसा पोस्ट किया, जिस पर अमेरिकी व्हिसल ब्लोअर एडवर्ड स्नोडेन ने करारा जवाब दिया है। दरअसल मस्क ने सोशल मीडिया पर एक पोल साझा किया, जिसमें अमेरिकी झंडे का अपमान करने वाले को देश से बाहर भेजने पर लोगों की राय मांगी गई थी। इस पर स्नोडेन ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि देश में अभिव्यक्ति की आजादी है। अमेरिकी विश्वविद्यालयों में जारी फलस्तीन समर्थक विरोध प्रदर्शनों पर एलन मस्क ने एक ट्वीट किया। जिसमें मस्क ने लिखा, प्रस्तावित कानूनः अगर कोई अमेरिकी झंडे का फाड़ता है और उसकी जगह कोई दूसरा झंडा लगाता है तो उस व्यक्ति को अनिवार्य रूप से उस देश भेज देना चाहिए, जहां का झंडा उसने लगाया है। मस्क ने इस पोस्ट पर लोगों से हां और नहीं में जवाब भी मांगा था। मस्क के इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए अमेरिकी व्हिसल ब्लोअर एडवर्ड स्नोडेन ने लिखा कि पहली बात अमेरिका में अभिव्यक्ति की आजादी है, जिसमें सभी झंडों को फाड़ने और उनके साथ कुछ भी करने की आजादी है और किन्हीं कारणों से इस अधिकार को संविधान में सुरक्षित किया गया है। दूसरी बात तब आप क्या करेंगे, जब वे लोग इस झंडे से अमेरिकी झंडे को बदल दें इसके साथ ही स्नोडेन ने फास्ट फूड चेन मैक्डोनाल्ड के झंडे की तस्वीर साझा की। दरअसल अमेरिका के कई संस्थानों में इन दिनों फलस्तीन के समर्थन में धरने प्रदर्शन हो रहे हैं।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के बाद हो सकती है उथल-पुथल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में इस साल राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होना है। इस दौड़ में राष्ट्रपति जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप एक दूसरे को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। एक दूसरे पर आरोप लगाने का दौर जारी है। इस बीच पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने कुछ ऐसा कह दिया है, जिससे चुनाव के बाद उथल-पुथल होने का संकेत मिला है। उन्होंने दावा किया कि शायद वह (बाइडन) विस्कॉन्सिन में इस साल के चुनाव परिणामों को स्वीकार नहीं कर सकें। देश के अधिकार के लिए लड़ना होगाडोनाल्ड ट्रंप ने एक इंटरव्यू में कहा कि अगर वह नवंबर में होने वाले चुनाव के नतीजों को सही नहीं मानते हैं तो आपको देश के अधिकार के लिए लड़ना होगा। उन्होंने आगे कहा, अगर सब कुछ ईमानदार रहा तो मैं परिणामों को पूरी तरह स्वीकार करूंगा। रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब उन्होंने चुनाव के आसपास राजनीतिक हिंसा की आशंका से इनकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया की निष्पक्षता पर निर्भर करता है। वहीं, उत्तरी कैरोलिना के शारलोट में गुरुवार को एक कार्यक्रम में जाने के दौरान बाइडन से पूछा गया कि क्या वह परेशान हैं कि ट्रंप चुनाव परिणामों को स्वीकार नहीं करेंगे। इस पर राष्ट्रपति ने कहा कि वह (ट्रंप) क्या कह रहे हैं यह सुनिए।

ट्रंप ने इंटरव्यू में एक बार फिर अपने दावे को दोहराया कि उन्होंने साल 2020 में विस्कॉन्सिन का चुनाव जीता था। हालांकि, तब करीब 21 हजार वोटों से बाइडन जीते थे। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि यदि आप पीछे जाएं और सामने आई सभी चीजों को देखें, तो इससे पता चलता है कि मैंने विस्कॉन्सिन में चुनाव जीता था। ट्रंप ने एक अखबार को दिए साक्षात्कार में कहा कि अगर उन्हें लगता है कि नतीजों में कुछ गड़बड़ है तो वह चुनाव को लेकर संदेह जताने से नहीं हिचकिचाएंगे। उन्होंने कहा, अगर मैंने कुछ और कहा तो यह देश के हित में नहीं होगा।

गाजा के पुनर्निर्माण में आएगी करीब 30 से 40 अरब डॉलर की लागत

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की एक एजेंसी ने गुरुवार को कहा कि युद्ध से तबाह गाजा को फिर से खड़ा करने में अनुमानित 30 से 40 अरब डॉलर की लागत आएगी। एजेंसी ने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यह पहली बार होगा जब इतने बड़े पैमाने पर कोशिश होगी। यूएन के सहायक महासचिव अब्दुल्ला अल-दरदारी ने कहा, संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम का शुरुआती अनुमान है कि गाजा पट्टी के पुनर्निर्माण के लिए लागत 30 से 40 अरब डॉलर को पार कर सकती है। जॉर्डन की राजधानी अम्मान में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, विनाश का पैमाना बहुत बड़ा और अभूतपूर्व है। यह एक ऐसा मिशन है जिसे द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से वैश्विक समुदाय ने नहीं निपटाया है।

उन्होंने कहा, अगर गाजा का पुनर्निर्माण सामान्य प्रक्रिया के जरिए किया जाता है, तो इसमें दशकों लग सकते हैं और फलस्तीन लोगों के पास दशकों तक इंतजार करने की सुविधा नहीं है। इस लिए यह जरूरी है कि हम लोगों का घर फिर से बसाने और स्वास्थ्य, शिक्षा के मामले में आर्थिक, सामाजिक रूप से उनके जीवन को सामान्य करने के लिए शीघ्रता से काम करें।

- सूचना -

फ़रीदाबाद ज़िला में भेदीनज़र समाचारपत्र में अपने समाचार,विज्ञापन देने और अख़बार की कापी प्राप्त करने के लिये सम्पर्क करें -

1-गोपाल न्यूज़ एजेन्सी
अम्बेडकर चौक बल्लभगढ़
मोबाइल नम्बर-9811477 204

2-नरेंद्र बुक्स शाप
मूँगफली चौक ऐन.आई. टी. नम्बर -5 फ़रीदाबाद
मोबाइल नम्बर : 9810229192

3-दीक्षित न्यूज़ एजेन्सी ओल्ड फ़रीदाबाद
मोबाइल-98111 59238

छोटा विज्ञापन
बड़ा फायदा
आज ही स्पेस बुक कराएं
कॉल करें
0120-4152063,
9811157 562

नई एवं तरोताजा खबरों के लिए भेदी नजर पढ़िए, समय के साथ चलिए
सुनहरा मौका वार्षिक ग्राहक बनिए और
वीआईपी एल्फा सूटकेस कीमत रु. 900 प्राप्त करिए
भेदी नजर समाचार पत्र के ग्राहक बनें
मात्र 700 रूपये दीजिए और वार्षिक ग्राहक बनने के अलावा तुरंत पाइए
और अन्य आकर्षक उपहार के लिए
बम्पर ड्रा

पहला इनाम
एक हीरो बाईक
दूसरा इनाम
एक सोनी एलसीडी 32 इंच
व अन्य आकर्षक ईनाम
तीसरा इनाम
बीस मोबाईल फोन

- कोई भी व्यक्ति एजेंट 500 से अधिक मेंबर बना लेगा तो उसे अलग से उपहार दिया जाएगा।
- ये स्कीम एक जनवरी 2024 से 31 दिसम्बर 2024 तक चलेगी।
- 31 दिसम्बर 2024 को 1000 सदस्य बनाने पर बम्पर ड्रा निकाला जाएगा जिसमें उपरोक्त इनाम
- हरियाणा के किसी भी मंत्री द्वारा दिए जाएंगे।
- ड्रा बम्पर ड्रा में भेदी नजर के वार्षिक मेम्बर ही भाग ले सकते है।
- भेदी नजर प्रत्येक माह की पहली तारिख को कूपन छापेगा।

आर.एन.आई. नं.
DEL/HIN/2004/13528
प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी
एवं संपादक उमा शर्मा द्वारा
उमा पब्लिकेशनस्
1001/1002 दसवां तल नौरंग हाऊस, 21 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली -1 से प्रकाशित
एवं नीलू प्रिंटिंग प्रेस
ई-33 सेक्टर -7 नोएडा से मुद्रित
संपादक
उमा शर्मा
प्रधान संपादक
गिरीश चन्द्र शर्मा
फोन नं. -
011-66304689
0120-4189808
0129-2290152
0129-2267 07 8
0129-2977562
फैक्स नं. -
011-66304690
0129-2297 640
मो. : 9811157 562,
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद होगा ।
पीआईबी एक्ट अनुसार सभी विवादित समाचारों की ज़िम्मेदारी समाचार लेखक की होगी भेदीनज़र संस्थान ,संपादक और प्रधान संपादक क़ानूनन ज़िम्मेदार नहीं होगा